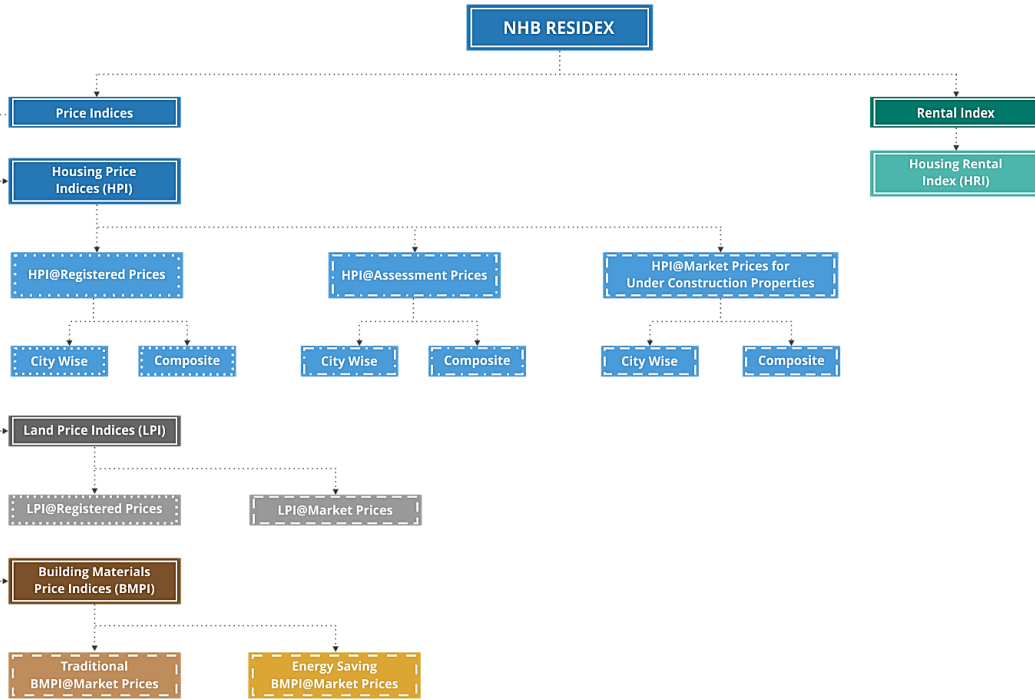




## एनएचबी रेजीडेक्स का परिचय

एनएचबी रेजीडेक्स, वर्ष 2007 को आधार वर्ष मानते हुए तिमाही आधार पर चयनित शहरों में रिहायशी संपत्तियों के मूल्यों में उतार-चढ़ाव का पता लगाने हेतु भारत का पहला आधिकारिक आवास मूल्य सूचकांक (एचपीआई), का जुलाई, 2007 को शुभारंभ किया गया था। वर्तमान वृष्टि अर्थव्यवस्था परिदृश्य को दर्शाने के लिए एनएचबी रेजीडेक्स को अद्यतित आधार वर्ष, संशोधित कार्यप्रणाली एवं स्वचालित प्रक्रियाओं के साथ सूचकांकों के कलस्टर सहित नया रूप प्रदान किया गया है।



नए रूप में तैयार एनएचबी रेजीडेक्स अपने भौगोलिक कवरेज में भी वृहत है और दो आवास मूल्य सूचकांक अर्थात् 50 शहरों हेतु एचपीआई@ आकलन मूल्य तथा 50 शहरों के लिए निर्माणाधीन संपत्तियों हेतु एचपीआई@ बाजार मूल्य, को शामिल करता है। एचपीआई@ आकलन मूल्य की गणना बैंकों/आवास वित्त कंपनियों से प्राप्त ऋणदाताओं के मूल्यांकन डाटा के उपयोग से की जाती है, जबकि निर्माणाधीन संपत्तियों हेतु एचपीआई@ बाजार मूल्य विकासकों, भवन निर्माताओं और ब्रोकरों से इकट्ठा किए गए निर्माणाधीन परियोजनाओं हेतु प्राथमिक बाजार डाटा पर आधारित है। राष्ट्रीय आवास बैंक 50 शहरों पर आधारित संयुक्त एचपीआई @ आकलन मूल्य और निर्माणाधीन संपत्तियों हेतु संयुक्त एचपीआई @ बाजार मूल्य भी प्रकाशित करता है। संयुक्त सूचकांक शहरी स्तरीय सूचकांक पर जनसंख्या भार लागू करने से प्राप्त होता है।

सूचकांक	डाटा	स्रोत	शहर
एचपीआई@ आकलन मूल्य	ऋणदाताओं का मूल्यांकन डाटा	बैंक /आ.वि.कं.	50
निर्माणाधीन संपत्तियों हेतु एचपीआई@बाजार मूल्य	निर्माणाधीन परियोजनाओं हेतु प्राथमिक बाजार डेटा	प्राथमिक बाजार सर्वे	50

चरण 1 में शामिल शहर पूरे भारत में 21 राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों में फैले हुए हैं। दो एचपीआई के अंतर्गत कवर शहरों में, 18 शहर राज्य की राजधानियाँ<sup>1</sup> हैं और 33 भारत सरकार द्वारा जारी स्मार्ट सिटी सूची का हिस्सा हैं। आवास मूल्य सूचकांकों की गणना तिमाही आधार पर अप्रैल से जून, 2013 को समाप्त तिमाही से शुरू की गई है और वित्त वर्ष 2012-13 को आधार वर्ष के तौर पर मानते हुए जनवरी-मार्च, 2018 तिमाही तक अद्यतित की गई है। पिछली तिमाही से, यानी अप्रैल-जून 2018 से, आधार वर्ष को वित्त वर्ष 2017-18 में बदल दिया गया है। तीन उत्पाद श्रेणी स्तर नामतः <= 60 वर्ग मी., > 60 तथा <= 110 वर्ग मी. और > 110 वर्ग मी. के अंतर्गत इकाईयों हेतु शहर स्तर (भारतीय रूप/ वर्ग फीट) पर कारपेट क्षेत्र आकार के आधार पर आवास मूल्यों को वर्गीकृत किया गया है। सूचकांकों की गणना लासपियर्स प्रणाली के उपयोग से की गई है, जिसके बाद नए आधार वर्ष से शुरू करते

<sup>1</sup> 18 राज्य/केंद्र शासित प्रदेश की राजधानियों में से 15 स्मार्ट सिटी भी हैं



हुए सभी तिमाहियों में चार तिमाही भारत गतिशील औसत की गणना, भारत गतिशील औसत उत्पाद श्रेणी स्तर के मूल्यों पर उत्पाद श्रेणी स्तर पर गतिशील भार के अनुप्रयोग और स्थिर आधार वर्ष भार के साथ की जाती है।

## कार्यकारी सारांश

### जुलाई-सितंबर, 2021 तिमाही के दौरान एचपीआई @ आकलन मूल्य

एचपीआई ने वर्ष-दर-वर्ष आधार पर कुल मिलाकर 38 शहरों में बढ़ोत्तरी, 10 शहरों में गिरावट और 2 शहरों में कोई बदलाव नहीं रिकॉर्ड किया गया एवं तिमाही-दर-तिमाही आधार पर 37 शहरों में बढ़ोत्तरी, 7 शहरों में गिरावट और 6 शहरों में कोई बदलाव नहीं रिकॉर्ड किया गया।

एचपीआई में वार्षिक वृद्धि तिमाही की समाप्ति पर पनवेल में 15.2% से लुधियाना में (-) 6.9 तक है।

### 50 शहरों पर आधारित संयुक्त एचपीआई @ आकलन मूल्य

संयुक्त एचपीआई @ आकलन मूल्य जून, 2013 में 83 पर था और वर्तमान तिमाही अर्थात सितंबर, 2021 में 115 पहुंच गया है। पिछले कुछ वर्षों में 3.9% के सीएजीआर के साथ सूचकांक बढ़ गया है।

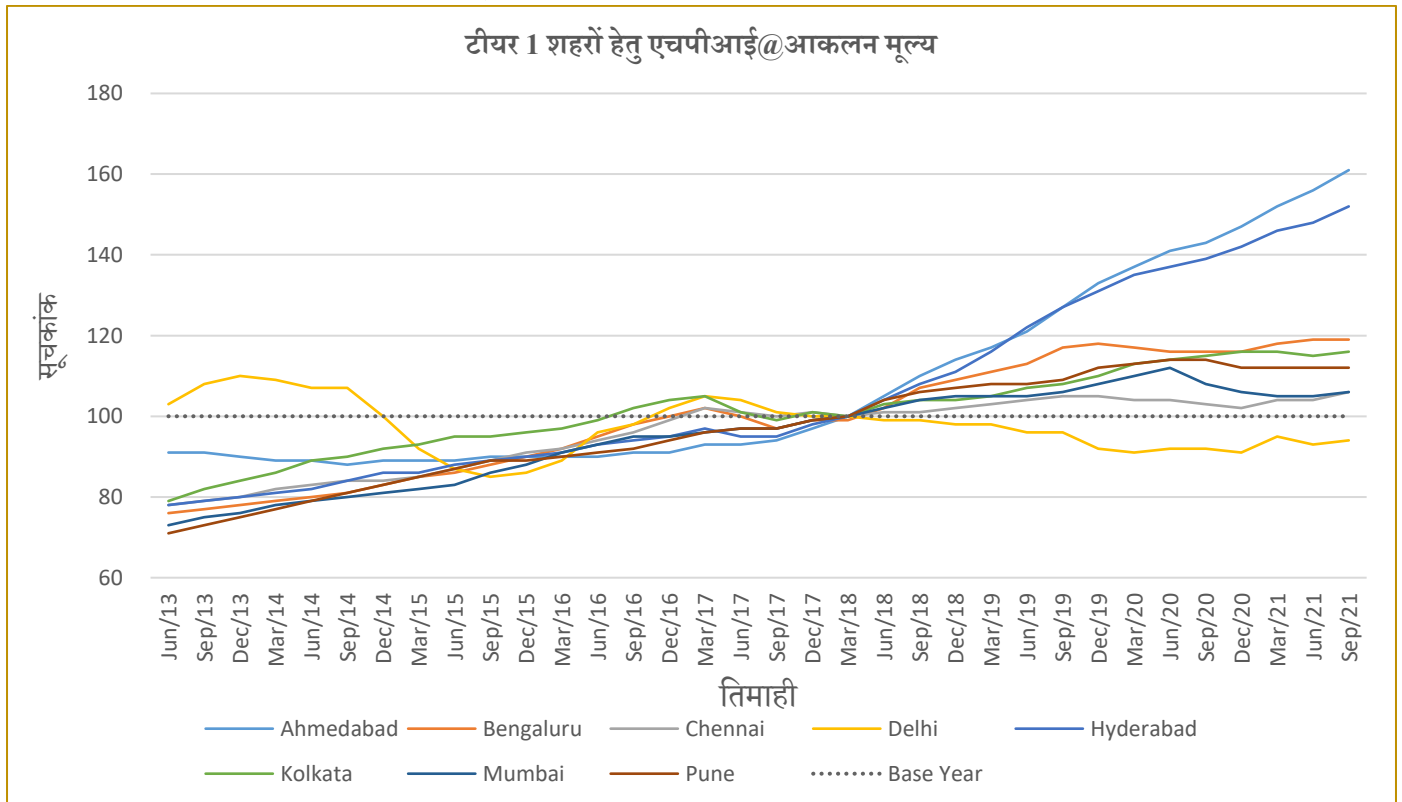
वर्ष दर वर्ष आधार पर सूचकांक में 2.7 % की बढ़ोत्तरी देखी गई।

### टीयर-वार उतार-चढ़ाव

8 टीयर-1 शहरों में से, वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 12.6% के साथ अहमदाबाद में सबसे अधिक बढ़ोत्तरी देखी गई जिसके बाद हैदराबाद 9.4% चेन्नई 2.9%, बेंगलुरु 2.6%, दिल्ली 2.2%, कोलकाता 0.9 % पर है, सूचकांक में मुंबई में (-1.9%) % की सबसे अधिक गिरावट देखी गई है जिसके बाद पुणे (-1.8%) पर है।

तिमाही दर तिमाही आधार पर अहमदाबाद में (3.2%) की सबसे अधिक बढ़ोत्तरी देखी गई जिसके बाद हैदराबाद (2.7%), चेन्नई (1.9%), दिल्ली (1.1%), मुंबई (1.0%), कोलकाता (0.9%) पर है। सूचकांक में बेंगलुरु और पुणे में कोई बदलाव नहीं देखा गया।

चित्र: टीयर 1 शहरों हेतु एचपीआई @ आकलन मूल्य (आधार वर्ष वित्त वर्ष 2017-18=100)

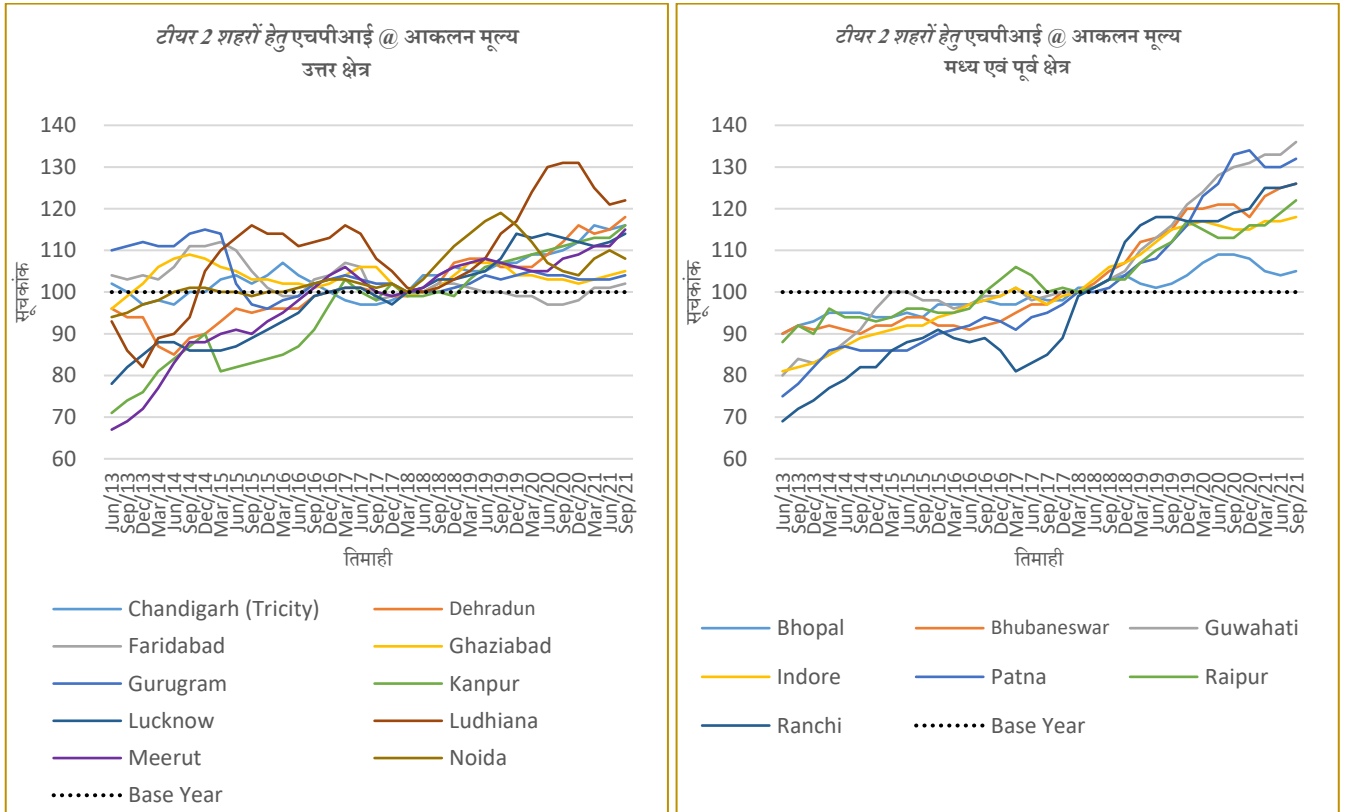


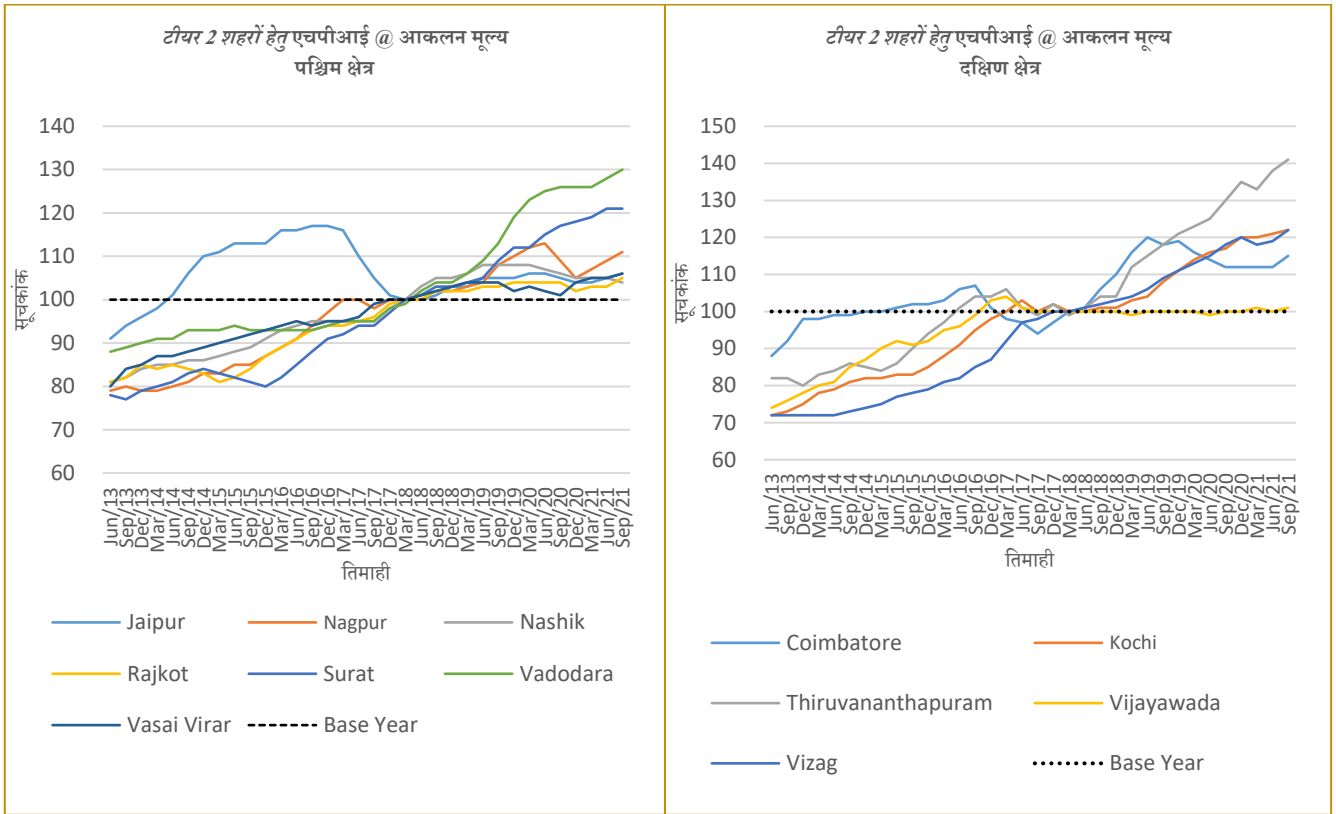


29 टीयर-2 शहरों में से, वर्ष दर वर्ष आधार पर सूचकांक में तिरुवनंतपुरम (8.5%), रायपुर (8.0%) में महत्वपूर्ण बढ़ोत्तरी देखी गई जिसके बाद मेरठ (6.5%), रांची (5.9%) और चंडीगढ़ (5.5%), देहरादून (5.4%) और फरीदाबाद (5.2%) पर है जबकि वर्ष-दर-वर्ष आधार पर, सूचकांक में लुधियाना (-6.9%), भोपाल (-3.7%) और नासिक (-1.9%) में सबसे अधिक गिरावट देखी गई।

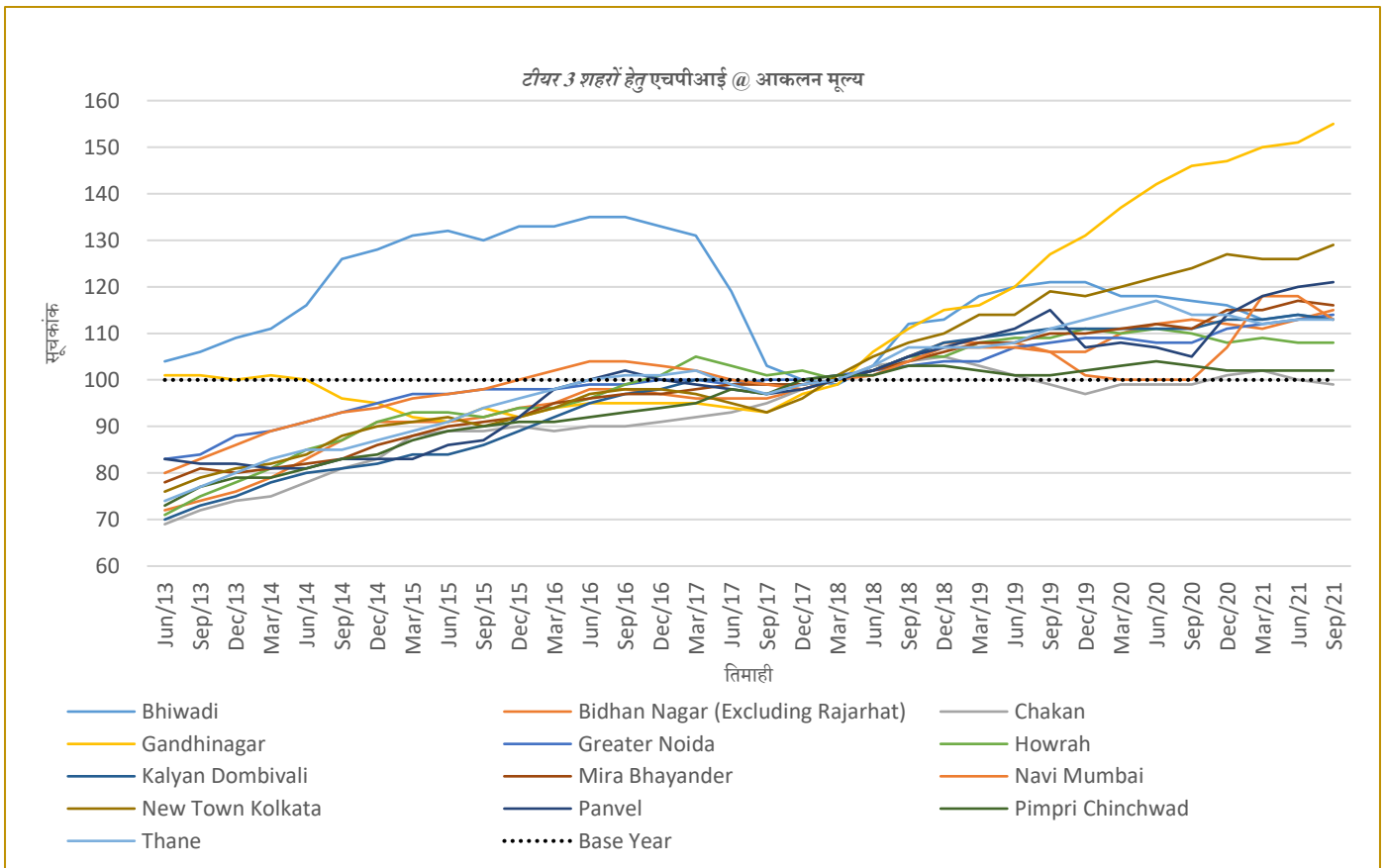
दूसरी तरफ, तिमाही-दर-तिमाही आधार पर सूचकांक में मेरठ में (3.6%) की अधिकतम बढ़ोत्तरी देखी गई है जिसके बाद कोयंबटूर और कानपुर (2.7%), देहरादून (2.6%), रायपुर और विशाखापट्टनम (2.5%) पर है जबकि सूचकांक में नोएडा (-1.8%) में महत्वपूर्ण गिरावट देखी गई जिसके बाद नासिक (-1.0%) पर है। सूचकांक में सूरत में कोई बदलाव नहीं देखा गया।

चित्र: भौगोलिक स्थल के अनुसार वर्गीकृत टीयर 2 शहरों हेतु एचपीआई @ आकलन मूल्य (आधार वर्ष वित्त वर्ष 2017-18=100)





चित्र: भौगोलिक स्थल के अनुसार वर्गीकृत टीयर 3 शहरों हेतु एचपीआई @ आकलन मूल्य (आधार वर्ष वित्त वर्ष 2017-18=100)





वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 13 टीयर-3 शहरों में से 7 में सूचकांक में पनवेल (15.2%) में सकारात्मक वृद्धि देखी गई जिसके बाद सूचकांक में नवी मुंबई (13.0%) और गांधीनगर (6.2%) में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी देखी गई। वर्ष-दर-वर्ष आधार पर सूचकांक में भिवाड़ी (-3.4%) और हावड़ा (-1.8%) में गिरावट देखी गई।

सूचकांक में तिमाही-दर-तिमाही आधार पर गांधीनगर में (2.6%) सबसे अधिक बढ़ोतरी रिकॉर्ड की गई जिसके बाद न्यू टाउन कोलकाता (2.4%) और बिधान नगर (1.8%) है जबकि नवी मुंबई (-4.2%) और चाकन (-1.0%) में गिरावट रिकॉर्ड की गयी। सूचकांक में हावड़ा, पिंपरी चिंचवाड़ और ठाणे में कोई बदलाव नहीं देखा गया।

### जुलाई-सितंबर, 2021 के दौरान निर्माणाधीन संपत्तियों हेतु एचपीआई @ बाजार मूल्य

एचपीआई में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर कुल मिलाकर 33 शहरों में बढ़ोतरी, 12 शहरों में गिरावट और 5 शहरों में कोई बदलाव नहीं रिकॉर्ड किया गया है और तिमाही दर तिमाही आधार पर 28 शहरों में बढ़ोतरी, 5 शहरों में गिरावट और 17 शहरों में कोई बदलाव नहीं रिकॉर्ड किया गया।

एचपीआई में वार्षिक वृद्धि जुलाई-सितंबर, 2021 तिमाही की समाप्ति पर पटना में 17.2% से फरीदाबाद में (-) 5.7% तक है।

### 50 शहरों पर आधारित निर्माणाधीन संपत्तियों हेतु संयुक्त एचपीआई @ बाजार मूल्य

निर्माणाधीन संपत्तियों हेतु संयुक्त एचपीआई @ बाजार मूल्य जून, 2013 में 85 पर था और वर्तमान तिमाही यानी सितंबर 2021 में तेजी से 107 तक की बढ़ोतरी हुई। पिछले कुछ वर्षों में 2.7% के सीएजीआर के साथ सूचकांक बढ़ा।

वर्ष-दर-वर्ष आधार पर, सूचकांक में 2.9% की वृद्धि देखी गई।

### टीयर-वार उतार-चढ़ाव

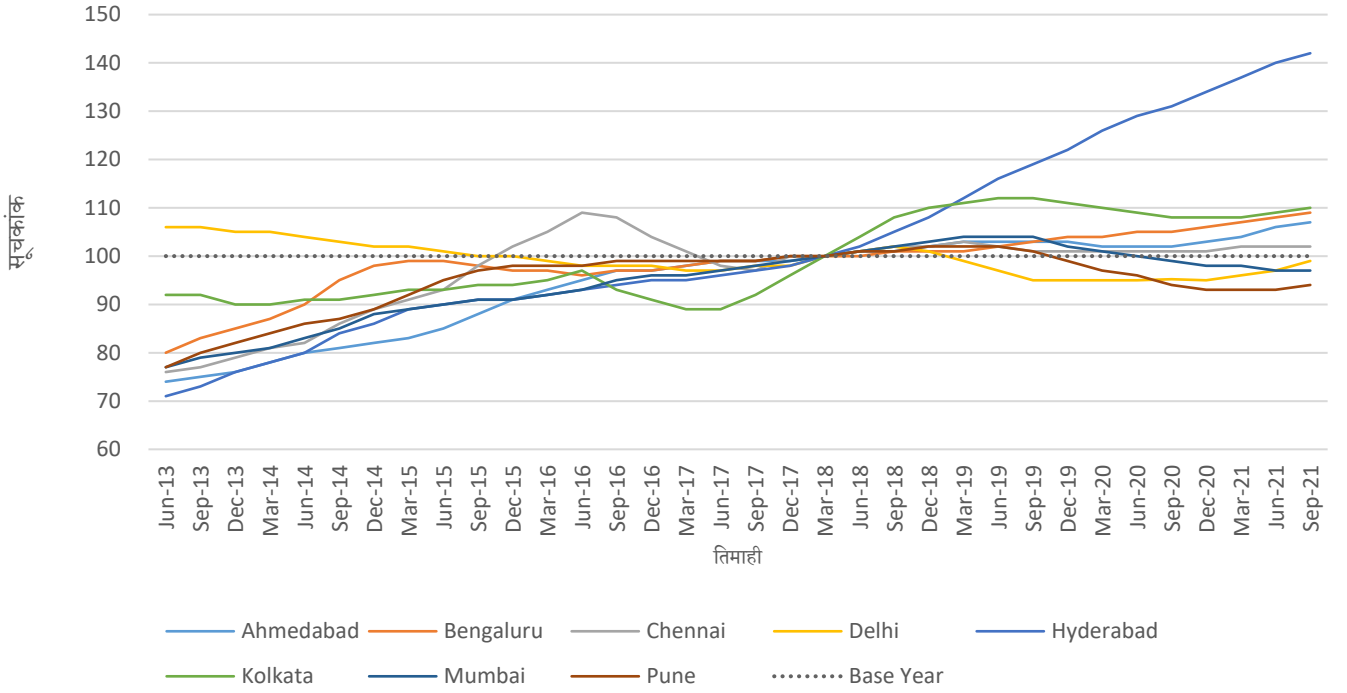
वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 8 टीयर-1 शहरों में से हैदराबाद में (8.4%) सबसे अधिक बढ़ोतरी देखी गई जिसके बाद अहमदाबाद (4.9%), दिल्ली (4.2%), बेंगलुरु (3.8%), कोलकाता (1.9%) पर है। सूचकांक में चेन्नई (1.0%), मुंबई में (-) 2.0% की गिरावट दर्ज की गई। वर्ष-दर-वर्ष आधार पर सूचकांक में पुणे में कोई बदलाव नहीं देखा गया।

तिमाही आधार पर, दिल्ली में (2.1%) की अधिकतम बढ़ोतरी देखी गई जिसके बाद हैदराबाद (1.4%), पुणे (1.1%), अहमदाबाद, बेंगलुरु और कोलकाता (0.9%) पर है। सूचकांक में चेन्नई और मुंबई में कोई बदलाव नहीं देखा गया।

चित्र: टीयर 1 शहरों हेतु निर्माणाधीन संपत्तियों हेतु एचपीआई @ बाजार मूल्य (आधार वर्ष वित्त वर्ष 2017-18=100)



टीयर 1 शहरों निर्माणाधीन संपत्तियों हेतु एचपीआई @ बाजार मूल्य



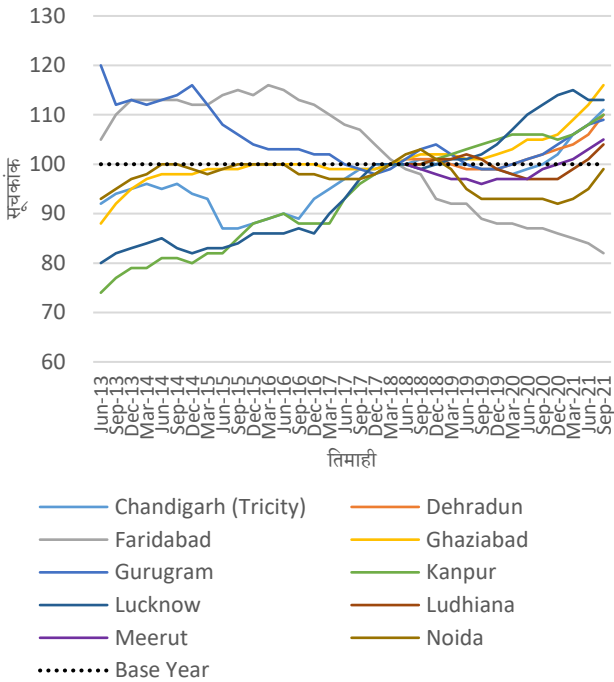
कवर किए जा रहे 29 टीयर-2 शहरों में से वर्ष-दर-वर्ष आधार पर सूचकांक में पटना (17.2%) में सबसे अधिक बढ़ोत्तरी देखी गई थी जिसके बाद चंडीगढ़ (11.0%), गाजियाबाद (10.5%) पर है, जबकि सूचकांक में सबसे अधिक गिरावट फरीदाबाद (-5.7%), जयपुर (-3.7%) और नागपुर (-2.7%) में देखी गई। वर्ष-दर-वर्ष आधार पर सूचकांक में रायपुर में कोई बदलाव नहीं देखा गया।

तिमाही-दर-तिमाही आधार पर सूचकांक में सबसे अधिक बढ़ोत्तरी पटना (4.4%) में देखी गई जिसके बाद नोएडा (4.2%), देहरादून (3.8%), गाजियाबाद (3.6%) और लुधियाना (3.0%) पर है। सबसे अधिक गिरावट इंदौर (-4.1%) और फरीदाबाद (-2.4%) में देखी गई। जबकि, भुवनेश्वर, लखनऊ, राजकोट, सूरत, तिरुवनंतपुरम, वडोदरा, वसई विरार, विजयवाड़ा और विशाखापट्टनम जैसे शहरों में कोई बदलाव नहीं देखा गया।

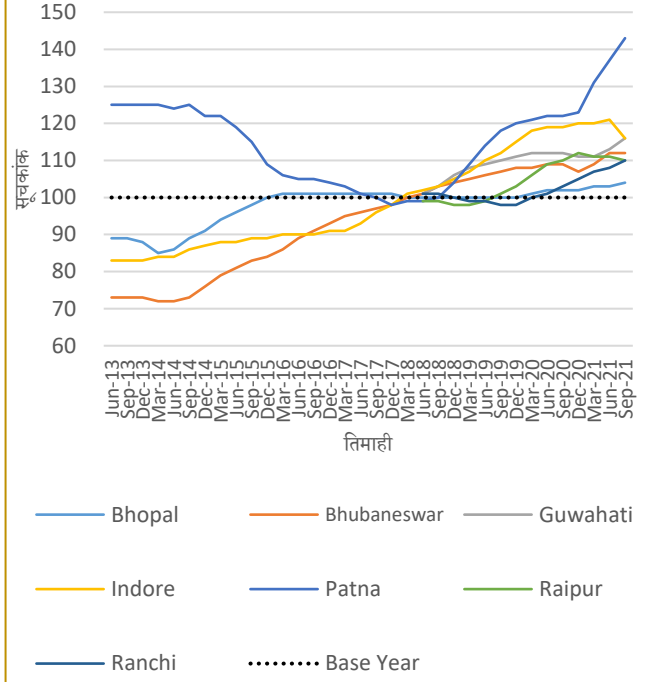
चित्र: टीयर 2 शहरों हेतु निर्माणाधीन संपत्तियों हेतु एचपीआई @ बाजार मूल्य (आधार वर्ष वित्त वर्ष 2017-18=100)



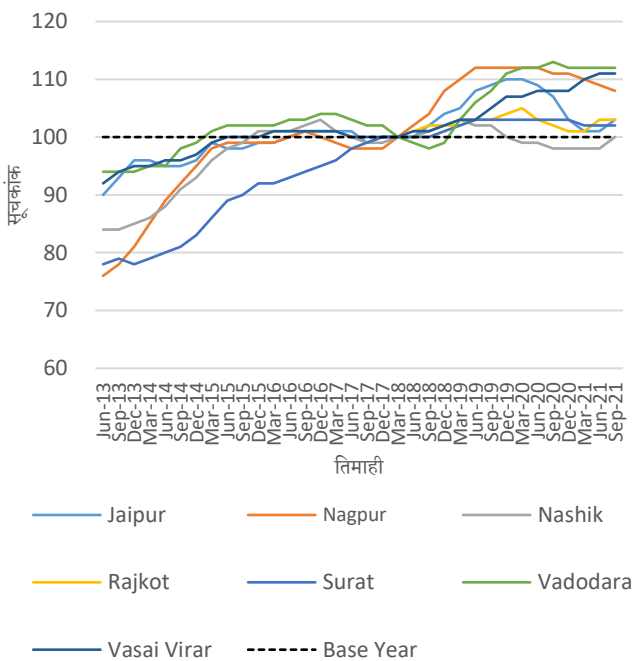
टीयर 2 शहरों हेतु यूसीपी हेतु एचपीआई @ बाजार मूल्य - उत्तर क्षेत्र



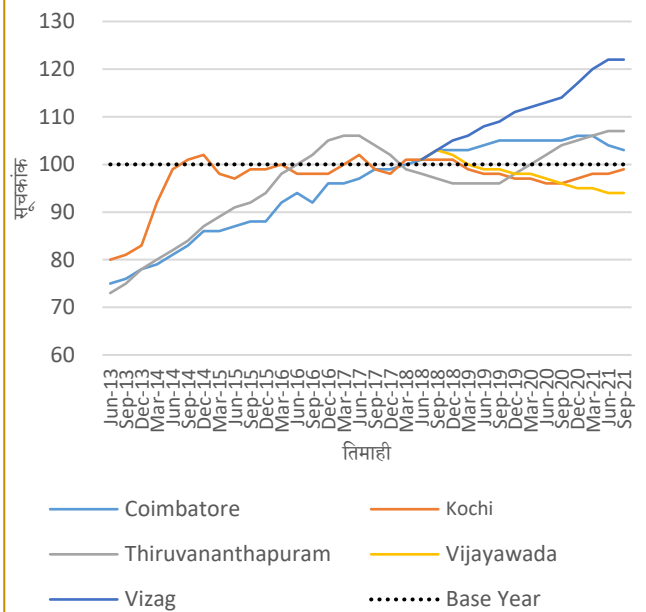
टीयर 2 शहरों हेतु हेतु एचपीआई @ बाजार मूल्य - मध्य एवं पूर्व क्षेत्र



टीयर 2 शहरों हेतु एचपीआई @ बाजार मूल्य - पश्चिम क्षेत्र



टीयर 2 शहरों हेतु एचपीआई @ बाजार मूल्य - दक्षिण क्षेत्र

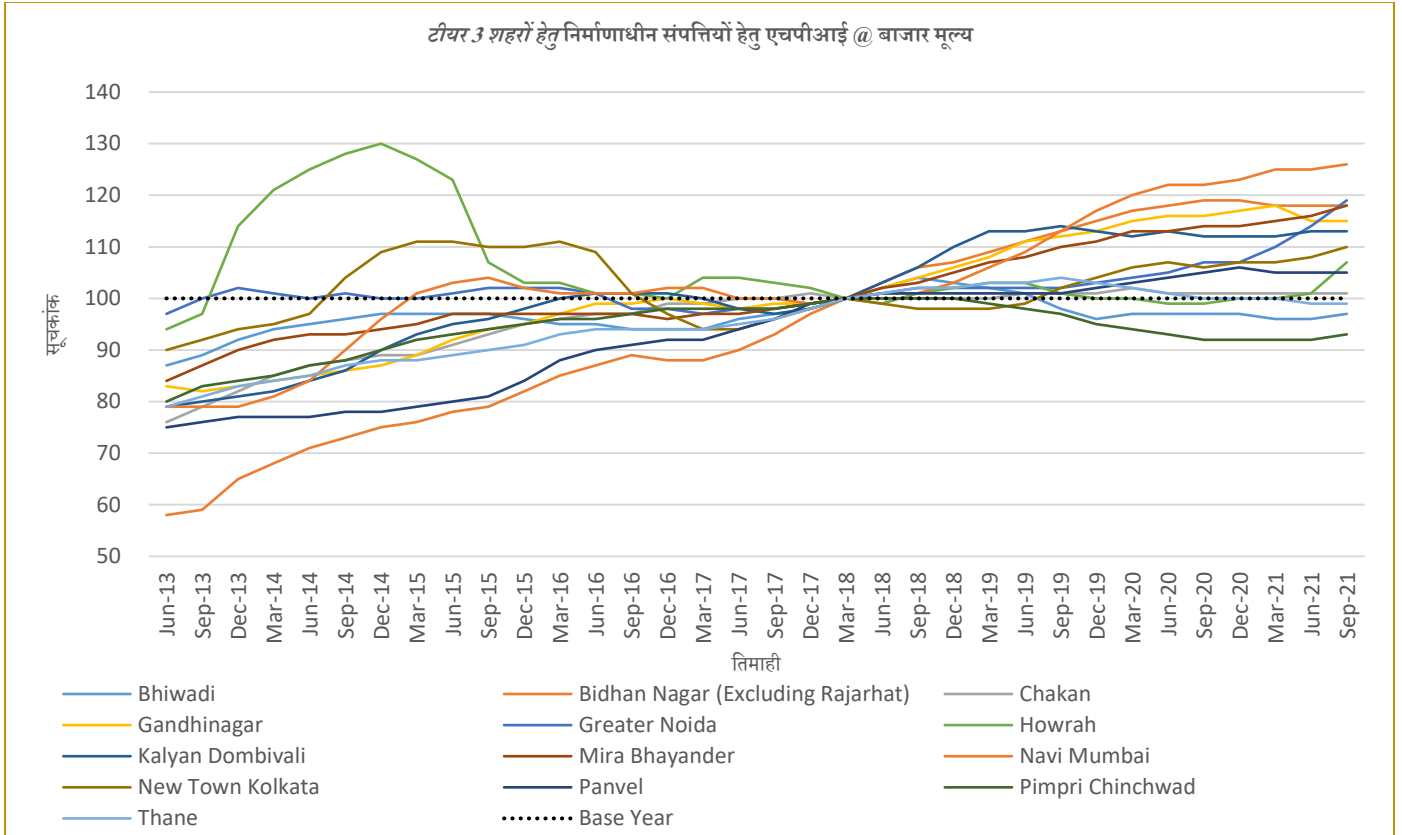




13 टीयर-3 शहरों में से वर्ष दर वर्ष आधार पर ग्रेटर नोएडा में 11.2%, हावड़ा में 8.1%, से ठाणे में (-1.0%) और गांधीनगर में (-0.9%) तक का अंतर था। सूचकांकों में भिवाड़ी, चाकन और पनवेल में कोई बदलाव नहीं देखा गया।

तिमाही दर तिमाही आधार पर, सूचकांक में हावड़ा (5.9%) में सबसे अधिक वृद्धि देखी गई जिसके बाद ग्रेटर नोएडा (4.4%) पर है। बिधान नगर, चाकन, गांधीनगर, कल्याण डोंबिवली, पनवेल और ठाणे में कोई बदलाव नहीं देखा गया।

चित्र: टीयर 3 शहरों हेतु निर्माणाधीन संपत्तियों हेतु एचपीआई @ बाजार मूल्य (आधार वर्ष वित्त वर्ष 2017-18=100)







## भौगोलिक प्रवृत्ति

### जुलाई-सितंबर, 2021 तिमाही के दौरान एचपीआई @ आकलन मूल्य के अंतर्गत क्षेत्र-वार उतार-चढ़ाव

#### उत्तर क्षेत्र

(भिवाड़ी, चंडीगढ़, देहरादून, दिल्ली, फरीदाबाद, गाजियाबाद, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम, कानपुर, लखनऊ, लुधियाना, मेरठ और नोएडा)

**तिमाही आधार पर**, सूचकांक में कुल मिलाकर 11 शहरों में बढ़ोत्तरी, 2 शहरों में गिरावट देखी गयी है। आवास मूल्य सूचकांक में मेरठ (3.9%) में बढ़ोत्तरी देखी गई जिसके बाद कानपुर (2.7%), देहरादून (2.6%), लखनऊ (1.8%), दिल्ली (1.1%), फरीदाबाद, गाजियाबाद और गुरुग्राम (1.0%), चंडीगढ़ और ग्रेटर नोएडा (0.9%) और लुधियाना (0.8%) पर है। आवास मूल्य सूचकांक में नोएडा (-1.8%) गिरावट देखी गई जिसके बाद भिवाड़ी (-0.9%) पर है।

**वार्षिक आधार पर**, सूचकांक में 10 शहरों में बढ़ोत्तरी, 2 शहर में गिरावट एवं 1 शहर में कोई बदलाव नहीं देखा गया है। आवास मूल्य सूचकांक में मेरठ (6.5%), ग्रेटर नोएडा (5.6%), चंडीगढ़ (5.5%), देहरादून (5.4%), फरीदाबाद (5.2%), कानपुर (4.5%), नोएडा (2.9%), दिल्ली (2.2%), गाजियाबाद (1.9%) और लखनऊ (0.9%) में बढ़ोत्तरी देखी गई। सूचकांक में लुधियाना (-6.9%), और भिवाड़ी (-3.4%) में गिरावट देखी गई। गुरुग्राम में सूचकांक स्थिर रहा।

#### पूर्व एवं मध्य क्षेत्र

(विधान नगर, भोपाल, भुवनेश्वर, गुवाहाटी, हावड़ा, इंदौर, कोलकाता, न्यू टाउन कोलकाता, पटना, रायपुर और रांची)

**तिमाही आधार पर**, सूचकांक में कुल मिलाकर 10 शहरों में बढ़ोत्तरी, 1 शहरों में गिरावट देखी गयी है। आवास मूल्य सूचकांक में रायपुर (2.5%), न्यू टाउन कोलकाता (2.4%), गुवाहाटी (2.3%), बिधान नगर (1.8%), पटना (1.5%), भोपाल (1.0%), इंदौर और कोलकाता (0.9%), भुवनेश्वर और रांची (0.8%) बढ़ोत्तरी देखी गई। हावड़ा में सूचकांक स्थिर रहा।

**वार्षिक आधार पर**, सूचकांक में कुल मिलाकर 8 शहरों में बढ़ोत्तरी और 3 शहर में गिरावट देखी गयी है। सूचकांक में शहरों में यथा रायपुर (8.0%), रांची (5.9%), गुवाहाटी (4.6%), भुवनेश्वर (4.1%), न्यू टाउन कोलकाता (4.0%), इंदौर (2.6%), बिधान नगर (1.8%), और कोलकाता (0.9%) में बढ़ोत्तरी देखी गई। आवास मूल्य सूचकांक में भोपाल (-3.7%), हावड़ा (-1.8%) और पटना (-0.8%) में गिरावट देखी गई।

#### पश्चिम क्षेत्र

(अहमदाबाद, चाकन, गांधीनगर, जयपुर कल्याण डोम्बिवली, मीरा भायंदर, मुंबई, नागपुर, नासिक, नवी मुंबई, पनवेल, पिंपरी चिंचवाड़, पुणे, राजकोट, सूरत, ठाणे, वडोदरा, और वसई विरार)

**तिमाही आधार पर**, सूचकांक में कुल मिलाकर 9 शहरों में बढ़ोत्तरी, 5 शहरों में गिरावट और 4 शहरों में कोई बदलाव नहीं देखा गया है। आवास मूल्य सूचकांक में अहमदाबाद (3.2%), गांधीनगर (2.6%), राजकोट (1.9%), नागपुर (1.8%), वडोदरा (1.6%), जयपुर, मुंबई और वसई विरार (1.0%), पनवेल (0.8%) में बढ़ोत्तरी देखी गई। सूचकांक में नवी मुंबई (-4.2%), चाकन और नासिक (-1.0%), कल्याण डोंबिवली और मीरा भायंदर (-0.9%) की गिरावट देखी गयी। सूचकांक में पिंपरी चिंचवाड़, पुणे, सूरत और ठाणे में कोई बदलाव नहीं देखा गया।

**वार्षिक आधार पर**, सूचकांक में कुल मिलाकर 12 शहरों में बढ़ोत्तरी और 5 शहरों में गिरावट और 1 शहरों में कोई बदलाव नहीं देखा गया है। सूचकांक में शहरों में यथा पनवेल (15.2%), नवी मुंबई (13.0%), अहमदाबाद (12.6%), गांधीनगर (6.2%), वसई विरार (5.0%), मीरा भायंदर (4.5%), सूरत (3.4%), वडोदरा (3.2%), कल्याण डोंबिवली और नागपुर (1.8%), जयपुर और राजकोट (1.0%) में बढ़ोत्तरी देखी गई। दूसरी तरफ, सूचकांक में शहरों में मुंबई और नासिक (-1.9%), पुणे (-1.8%), पिंपरी चिंचवाड़ (-1.0%), और ठाणे (-0.9%) गिरावट देखी गयी। चाकन में सूचकांक स्थिर रहा।



## दक्षिण क्षेत्र

(बेंगलूरु, चेन्नई, कोयंबटूर, हैदराबाद, कोच्चि, तिरुवनंतपुरम, विजयवाड़ा और विशाखापत्तनम)

**तिमाही आधार पर**, सूचकांक में कुल मिलाकर 7 शहरों में बढ़ोत्तरी एवं 1 शहर में कोई बदलाव नहीं देखा गया है। आवास मूल्य सूचकांक में कोयंबटूर और हैदराबाद (2.7%), विशाखापत्तनम (2.5%), तिरुवनंतपुरम (2.2%), चेन्नई (1.9%), विजयवाड़ा (1.0%) और कोच्चि (0.8%) में बढ़ोत्तरी देखी गई। बेंगलूरु में सूचकांक स्थिर रहा।

**वार्षिक आधार पर**, सूचकांक में कुल मिलाकर 8 शहरों में बढ़ोत्तरी देखी गयी है। सूचकांक में शहरों यथा हैदराबाद (9.4%), तिरुवनंतपुरम (8.5%), कोच्चि (4.3%), विशाखापत्तनम (3.4%), चेन्नई (2.9%), कोयंबटूर (2.7%), बेंगलूरु (2.6%) और विजयवाड़ा (1.0%) में बढ़ोत्तरी देखी गई।

जुलाई-सितंबर, 2021 तिमाही के दौरान निर्माणाधीन संपत्तियों हेतु एचपीआई @ बाजार मूल्य के अंतर्गत क्षेत्र-वार उतार-चढ़ाव

## उत्तर क्षेत्र

(भिवाड़ी, चंडीगढ़, देहरादून, दिल्ली, फरीदाबाद, गाजियाबाद, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम, कानपुर, लखनऊ, लुधियाना, मेरठ, और नोएडा)

**तिमाही आधार पर**, सूचकांक में कुल मिलाकर 11 शहरों में बढ़ोत्तरी, एक शहर में गिरावट एवं एक शहर में कोई बदलाव नहीं देखा गया है। आवास मूल्य सूचकांक में ग्रेटर नोएडा (4.4%), नोएडा (4.2%), देहरादून (3.8%), गाजियाबाद (3.6%), लुधियाना (3.0%), चंडीगढ़ (2.8%), दिल्ली (2.1%), कानपुर और मेरठ (1.9%), भिवाड़ी (1.0%) और गुरुग्राम (0.9%) में बढ़ोत्तरी देखी गई। आवास मूल्य सूचकांक में फरीदाबाद (-2.4%) में गिरावट देखी गई, लखनऊ में सूचकांक स्थिर रहा।

**वार्षिक आधार पर**, सूचकांक में कुल मिलाकर 11 शहरों में बढ़ोत्तरी और 1 शहर में गिरावट और 1 शहर में कोई बदलाव नहीं देखा गया। सूचकांक में ग्रेटर नोएडा (11.2%), चंडीगढ़ (11.0%), गाजियाबाद (10.5%), देहरादून (7.8%), लुधियाना (7.2%), गुरुग्राम (6.9%), नोएडा (6.5%), मेरठ (6.1%), दिल्ली (4.2%), कानपुर (3.8%) और लखनऊ (0.9%) में बढ़ोत्तरी देखी गई। सूचकांक में फरीदाबाद (-5.7%) में गिरावट देखी गई। भिवाड़ी में सूचकांक स्थिर रहा।

## पूर्व एवं मध्य क्षेत्र

(विधान नगर, भोपाल, भुवनेश्वर, गुवाहाटी, हावड़ा, इंदौर, कोलकाता, न्यू टाऊन कोलकाता, पटना, रायपुर, और रांची)

**तिमाही आधार पर**, सूचकांक में कुल मिलाकर 7 शहरों में बढ़ोत्तरी, 2 शहरों में गिरावट एवं 2 शहरों में कोई बदलाव नहीं देखा गया है। आवास मूल्य सूचकांक में हावड़ा (5.9%), पटना (4.4%), गुवाहाटी (2.7%), रांची और न्यू टाऊन कोलकाता (1.9%), भोपाल (1.0%) और कोलकाता (0.9%) में बढ़ोत्तरी देखी गई। सूचकांक में इंदौर (-4.1%) और रायपुर (-0.9%) में गिरावट देखी गई। सूचकांक में भुवनेश्वर और विधान नगर स्थिर रहा।

**वार्षिक आधार पर**, सूचकांक में कुल मिलाकर 8 शहरों में बढ़ोत्तरी, 2 शहरों में गिरावट और एक शहर में कोई बदलाव नहीं देखा गया। सूचकांक में 8 शहरों यथा पटना (17.2%), हावड़ा (8.1%), रांची (6.8%), न्यू टाऊन कोलकाता (3.8%), गुवाहाटी (3.6%), भुवनेश्वर (2.8%), भोपाल (2.0%) और कोलकाता (1.9%) में बढ़ोत्तरी देखी गई। सूचकांक में इंदौर (-2.5%) और विधान नगर (-0.8%) में गिरावट देखी गई। रायपुर में सूचकांक स्थिर रहा।



## पश्चिम क्षेत्र

(अहमदाबाद, चाकन, गांधीनगर, जयपुर, कल्याण डोंबिवली, मीरा भायंदर, मुंबई, नागपुर, नासिक, नवी मुंबई, पनवेल, पिंपडी चिंचवाड, पुणे, राजकोट, सूरत, ठाणे, वडोदरा, और वसई विरार)

**तिमाही आधार पर,** सूचकांक में कुल मिलाकर 7 शहरों में बढ़ोत्तरी, 1 शहर में गिरावट एवं 10 शहरों में कोई बदलाव नहीं देखा गया। आवास मूल्य सूचकांक में जयपुर और नासिक (2.0%), मीरा भायंदर (1.7%), पिंपरी चिंचवाड और पुणे (1.1%), अहमदाबाद (0.9%) और नवी मुंबई (0.8%) में बढ़ोत्तरी देखी गई। चाकन, गांधीनगर, कल्याण डोंबिवली, मुंबई, पनवेल, राजकोट, सूरत, ठाणे, वडोदरा और वसई विरार स्थिर रहा। आवास मूल्य सूचकांक में नागपुर (-0.9%) में गिरावट देखी गई।

**वार्षिक आधार पर,** सूचकांक में कुल मिलाकर 8 शहरों में बढ़ोत्तरी, 7 शहरों में गिरावट और 3 शहर में कोई बदलाव नहीं देखा गया है। सूचकांक में शहरों अहमदाबाद (4.9%), मीरा भायंदर (3.5%), नवी मुंबई (3.3%), वसई विरार (2.8%), नासिक (2.0%), पिंपरी चिंचवाड (1.1%), राजकोट (1.0%), और कल्याण डोंबिवली (0.9%) बढ़ोत्तरी देखी गई। दूसरी तरफ सूचकांक में जयपुर (-1.8%), नागपुर (-2.7%), मुंबई (-2.0%), सूरत और ठाणे (-1.0%), गांधीनगर और वडोदरा (-0.9%) में गिरावट देखी गई। चाकन, पनवेल और पुणे में सूचकांक स्थिर रहा।

## दक्षिण क्षेत्र

(बेंगलूरु, चेन्नई, कोयम्बटूर, हैदराबाद, कोच्चि, तिरुवनंतपुरम, विजयवाड़ा और विशाखापत्तनम)

**तिमाही आधार पर,** सूचकांक में कुल मिलाकर 3 शहरों में बढ़ोत्तरी, 1 शहर में गिरावट एवं 4 शहर में कोई बदलाव नहीं देखा गया है। आवास मूल्य सूचकांक में हैदराबाद (1.4%), कोच्चि (1.0%), और बेंगलूरु (0.9%) में बढ़ोत्तरी देखी गई। कोयम्बटूर (-1.0%) में गिरावट देखी गई। चेन्नई, तिरुवनंतपुरम, विशाखापत्तनम और विजयवाड़ा में सूचकांक में कोई बदलाव नहीं देखा गया।

**वार्षिक आधार पर,** सूचकांक में कुल मिलाकर 6 शहरों में बढ़ोत्तरी, 2 शहरों में गिरावट देखी गई। सूचकांक में शहरों यथा हैदराबाद (8.4%), विशाखापत्तनम (7.0%), बेंगलूरु (3.8%), कोच्चि (3.1%), तिरुवनंतपुरम (2.9%), चेन्नई (1.0%) में बढ़ोत्तरी देखी गई। सूचकांक में कोयम्बटूर (-1.9%) और विजयवाड़ा (-2.1%) में गिरावट देखी गई।